'बार्बी ड्रीम्स' के नाम से अपनी बॉलिवुड जर्नी के बारे में लिखेंगी कटरीना?

कटरीना कैफ बॉलिवुड की सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन की फिल्म 'बूम' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। हालांकि यह फिल्म फ्लॉप हुई थी लेकिन बाद में कटरीना ने कई सुपरहिट फिल्मों में भी काम किया। मॉडल से ऐक्ट्रेस बनीं कटरीना ने पिछले 15 सालों में कई बड़ी फिल्मों में काम किया है। हाल में एक इवेंट के दौरान कटरीना ने कहा था कि वह बॉलिवुड में अपने अभी तक के सफर के बारे में एक किताब लिखना चाहती हैं। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कटरीना ने एक पब्लिशिंग हाउस को अपनी इस किताब के लिए सहमति दे दी है। ऐसा माना जा रहा है कि उनकी इस किताब का नाम 'बार्बी ड्रीम्स' होगा। बता दें कि कटरीना बॉलिवुड की इकलौती ऐसी पर्सनैलिटी हैं जिनके ऊपर बार्बी डॉल बनाई गई है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि यह किताब केवल एक मोटिवेशनल कहानी के तौर पर पेश की जाएगी। इसमें कटरीना की पर्सनल लाइफ के बारे में कुछ भी नहीं होगा। इस किताब में कटरीना के बचपन, उनके प्रफेशनल करियर और अलग-अलग देशों में उनके सफर के बारे में बताया जाएगा।

पोस्टर लॉन्च के साथ ही अनन्या पांडे के इंस्टाग्राम पर फैन्स की आई बाढ़

चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे के इंस्टाग्राम पर अचानक फैन्स की बाढ़ सी आ गई है। बुधवार शाम 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' के पोस्टर लॉन्च के साथ ही यह ऑफिशल कर दिया गया कि फिल्म में तारा सुतारिया के अलावा लीड ऐक्ट्रेस के रूप में अनन्या पांडे नज़र आएंगी।

अब तक अनन्या को फोटो और विडियो शेयरिंग वेबसाइट इंस्टाग्राम पर फॉलो करने वाले केवल 1901 लोग थे। 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' के पोस्टर लॉन्च होने के साथ ही 8 घंटे के भीतर अनन्या के फॉलोअर्स की संख्या 98,000 हो गई। जी हां, कुछ ही घंटों में अनन्या को करीब 96,000 लोगों ने फॉलो करना शुरू कर दिया। अनन्या चंकी और भाव्या पांडे की बेटी हैं, जो पिछले साल से नोटिस की जाने लगीं। इंटरनेट पर अनन्या के साथ शाहरुख की बेटी सुहाना की तस्वीरें अक्सर ही नज़र आती हैं। पिछले कुछ समय से ही उनके फिल्म डेब्यू को लेकर चर्चा थी, जो कल ऑफिशल सामने आ गई। अनन्या अभी 19 साल की हैं और फिलहाल पढ़ाई कर रही हैं। 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' के इस सीक्वल फिल्म में अनन्या पांडे के ऑपोज़िट टाइगर श्रॉफ नज़र आने वाले हैं। 9 अप्रैल से फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसका निर्देशन कर रहे हैं पुनीत मल्होत्रा और इसे प्रड्यूस कर रहे हैं करण जौहर, हीरू जौहर और अपूर्वा मेहता। इस फिल्म को 23 नवंबर को रिलीज़ करने

तरबूज को अनार बताकर ट्रोल हुई ईशा गुप्ता

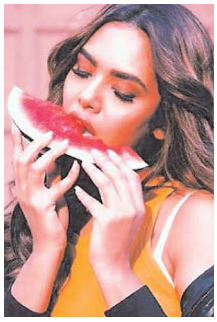

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रैस ईशा गुप्ता अक्सर अपनी बोल्ड लुक को लेकर सुर्खियों में रहती हैं, लेकिन इस बार वह अपनी एक तस्वीर की वजह से ट्रोल हो गई हैं।दरअसल, ईशा ने हाल ही नें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में वह तरबूज खाती नजर आ रही हैं, लेकिन तस्वीर शेयर करते हुए ईशा ने कैप्शन में लिखा है 'पोमग्रेनेट्स आर सो 2017'। जिसका इशारा उस तस्वीर की ओर था जो उन्होंने साल 2017 में क्लिक करवाई थी। तस्वीर पर लिखे कैप्शन का फैंस ने गलत मतलब निकाल लिया और उन्हें लगा कि उन्होंने तरबूज को अनार बता दिया है। जिसकी वजह से लोग उनको जमकर ट्रोल कर रहे हैं। तस्वीर को देख एक यूजर ने लिखा यकीनन ईशा ने प्री स्कूल बंक किया होगा। ऐसे ही कई और यूजर्स ने ईशा की तस्वीर को देखकर उनकी जमकर लताड़ लगाई है। बता दें कि इससे पहले ईशा अपनी न्यूड फोटो शूट को लेकर खासा ट्रोल हुई थी। ये फोटोशूट उन्होंने पिछले साल यानी 2017 में करवाया था। ईशा अक्सर सोशल साइट पर अपने फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनकी तस्वीरें शेयर होते ही काफी वायरल हो जाती हैं। कुछ लोग उनकी तस्वीरों को काफी पसंद करते हैं तो कुछ फैंस की वजह से ईशा सोशल मीडिया पर ट्रोल हो जाती हैं।

QUIZ TIME

1) मध्य एशिया के सामानी साम्राज्य की शाही दरबार में किस भाषा का विकास हुआ था?
(क) दारी (ख) फारसी
(ग) पाली (घ) संस्कृत

2) मेसिया नामक एक महिला द्वारा किस काल्पनिक पात्र को लिया गया था? (मोगली / स्वामी)

3) अरब सागर का कौन-सा समुद्री तट त्रिवेन्द्रम से तेरह किलोमीटर बाहर स्थित है?

4) अर्धनारीसवा किस देवता का एक रूप है?

5) दुनिया की सबसे तीखी मिर्च की किस्म का नाम बतायें?

Ramaquiz

उत्तर- (1) दारी (2) मोगली (3) कोवलम
(4) शंकर (5) कैरोलिना रीपर

जब त्वचा के गहरे रंग के कारण प्रियंका चोपड़ा के हाथ से निकली थी फिल्म

ऐक्टर और ऐक्ट्रेस की फीस के बीच असमानता का मुद्दा पिछले कुछ वक्त से पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल ही में बॉलिवुड की सबसे बड़ी ऐक्ट्रेस में से एक और अब हॉलिवुड में अपनी अदाकारी का परचम लहरा रहीं प्रियंका चोपड़ा ने भी इस बारे में खुलकर बात की। इतना ही नहीं, बल्कि प्रियंका ने एक वाकया भी शेयर किया जब उन्हें उनकी त्वचा के गहरे रंग के कारण एक हॉलिवुड फिल्म से हाथ धोना पड़ा था।

दरअसल प्रियंका से पूछा गया था कि जब महिला या अन्य नस्ल के लोगों को समान काम के लिए समान भुगतान की बात आती है तो हॉलिवुड कैसा व्यवहार करता है? प्रियंका ने इसका जवाब दिया, 'मैं एक फिल्म के लिए बाहर गई थी। तब स्टूडियो (उस फिल्म से जुड़ा) से किसी ने कॉल करके मेरे एजेंट को बोला, उनकी फिजिकैलिटी (शारीरिक बनावट) सही नहीं है। इसलिए एक ऐक्टर के तौर पर मैं सोचने लगी कि क्या मुझे गोरा होना होगा? क्या मुझे शेप में आना होगा? क्या मुझे ऐब्स बनाने पड़ेंगे? आखिर सही फिजिकैलिटी नहीं होने का मतलब क्या है? तब मेरे एजेंट ने मुझसे कहा, प्रियंका... उनका मतलब था कि उन्हें ऐसा कोई शख्स चाहिए जो जिसके चेहरे का रंग इतना गहरा न हो। इससे मुझे फर्क

बिजनेस

आम्रपाली से 150 करोड़ वसूलने हाईकोर्ट पहुंचे धोनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने घाटे में चल रही रियल एस्टेट कंपनी आम्रपाली ग्रुप से लगभग 150 करोड़ रुपये वसूलने की कोशिश शुरू कर दी है। धोनी ने आरोप लगाया है कि कंपनी का ब्रैंड ऐंबैसडर बनने के लिए उन्हें कई वर्षों से भुगतान नहीं मिला है। आम्रपाली पिछले कुछ वर्षों से वित्तीय संकट का सामना कर रही है और यह अपने कई हाउसिंग प्रॉजेक्ट्स पूरे नहीं कर सकी है।

धोनी सहित कई क्रिकेटर्स के एंडोर्समेंट संभालने वाली फर्म ऋति स्पोर्ट्स ने आम्रपाली के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मामला बकाया रकम की वसूली से जुड़ा मामला दर्ज किया है। ऋति स्पोर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण पांडे ने बताया, 'कंपनी ने ब्रैंडिंग और मार्केटिंग ऐक्टिविटीज के लिए हमें पैसा नहीं दिया।' पांडे ने बताया कि ऋति स्पोर्ट्स की आम्रपाली पर लगभग 200 करोड़ रुपये बकाया है। धोनी 6-7 वर्षों तक आम्रपाली के ब्रैंड ऐंबैसडर रहे थे। आम्रपाली के हाउसिंग प्रॉजेक्ट के पूरा न होने को लेकर नाराज होमबायर्स के सोशल मीडिया पर धोनी को निशाना बनाने के बाद उन्होंने अप्रैल 2016 में कंपनी से ब्रैंड ऐंबैसडर के तौर पर अपना नाता तोड़ लिया था। होमबायर्स ने अपने ट्वीट्स में धोनी से आम्रपाली से खुद को अलग करने या कंपनी पर हाउसिंग प्रॉजेक्ट के बकाया काम को पूरा करने का दबाव डालने को कहा था। इस बारे में आम्रपाली के प्रवक्ता से संपर्क नहीं हो सका। आम्रपाली ने 2011 में क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की जीत के बाद टीम इंडिया के प्रत्येक सदस्य को नोएडा एक्सटेंशन में आम्रपाली ड्रीम वैली प्रॉजेक्ट में एक विला तोहफे के तौर पर दिया था। धोनी को 1 करोड़ रुपये की कीमत वाला और टीम के बाकी सदस्यों को 55 लाख रुपये प्रत्येक का विला दिया गया था। आम्रपाली ग्रुप को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 10 हाउसिंग प्रॉजेक्ट्स में लगभग 40,000 फ्लैट की डिलीवरी देनी है। कंपनी का कहना है कि रीयल्टी सेक्टर में मंदी के कारण उसकी बिक्री घट गई है और इस वजह से उसे प्रॉजेक्ट्स पूरे करने में मुश्किल हो रही है। पिछले वर्ष बैंक ऑफ बड़ौदा ने आम्रपाली ग्रुप के खिलाफ नैशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल (ह्ष्टरुञ्ज) में इन्सॉल्वंसी के लिए याचिका दायर की थी। इसके बाद आम्रपाली ग्रुप के प्रॉजेक्ट्स में अपार्टमेंट खरीदने वाले लोगों ने अपने इन्वेस्टमेंट की सुरक्षा की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

रिजर्व बैंक ने आडीबीआई बैंक पर लगाया 3 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली । आईडीबीआई बैंक ने आज बताया कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने उस पर 3 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने यह जुर्माना इनकम रेकग्निशन ऐंड ऐसेट क्लासिफिकेशन (आईआरएसी) नियमों का पालन नहीं करने के लिए लगाया है। आईडीबीआई बैंक ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को बताया, 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इनकम रेकग्निशन ऐंड ऐसेट क्लासिफिकेशन नियमों को लेकर अपनी ओर से जारी निर्देशों का पालन नहीं किए जाने पर 10 अप्रैल 2018 के अपने पत्र में अपनी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए बैंक पर 30 मिलियन (3 करोड़) रुपये का जुर्माना लगाया है।' बैंक ने बीएसई को बताया कि इस जुर्माने का बैंक की आर्थिक सेहत पर पर कोई असर नहीं होगा। गौरतलब है कि पिछले महीने नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) कैलकुलेशन में गड़बड़ी का दोषी पाए जाने पर आरबीआई ने ऐक्सिस बैंक पर 3 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाई थी जबकि दिसंबर महीने में इंडसइंड बैंक पर भी इतनी ही रकम का जुर्माना लगाया गया था। इंडसइंड पर पेनल्टी को लेकर आरबीआई की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि नॉन परफॉर्मिंग लोन और नॉन फंड आधारित लिमिट पर केंद्रीय बैंक की तरफ से जारी गाइडलाइंस का उल्लंघन पाए जाने के बाद यह पेनल्टी लगाई गई है। आरबीआई ने एक अलग मामले में पब्लिक सेक्टर के इंडियन ओवरसीज बैंक पर भी 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। नो योर कस्टमर (केवाईसी) नॉर्म्स की अनदेखी की वजह से बैंक पर यह पेनल्टी लगाई गई थी। इंडियन ओवरसीज बैंक की एक ब्रांच में फर्जीवाड़े के एक मामले की जांच में इस गलती का पता चला था।

गन्ना उत्पादकों को सब्सिडी प्रदान करने की तत्काल कोई योजना नहीं'

नई दिल्ली। नकदी संकट का सामना करने वाले चीनी मिलों को संकट से निजात दिलाने के लिए खाद्य मंत्रालय की गन्ना उत्पादकों को सब्सिडी प्रदान करने की तत्काल कोई योजना नहीं है। मंत्रालय ने चीनी मिलों को चीनी के अधिशेष स्टॉक को खत्म करने और घरेलू कीमतों में सुधार लाने के लिए 20 लाख टन चीनी का निर्यात करने के लिए भी कहा है।

सितंबर में समाप्त होने वाले विपणन वर्ष 2017-18 में घरेलू उत्पादन बढ़कर रिकॉर्ड 2.95 करोड़ टन होने की उम्मीद के बीच सरकार ने पहले से ही आयात शुल्क को दोगुना कर 100 प्रतिशत कर दिया है और चीनी पर 20 प्रतिशत के निर्यात शुल्क खत्म कर दिया है। इसके अलावा खाद्य मंत्रालय ने हाल ही में न्यूनतम सांकेतिक निर्यात कोटा (एमआईईक्यू) योजना के तहत 2 लाख टन चीनी का निर्यात करने की अनुमति दी है और प्रत्येक चीनी मिल के लिए उनके उत्पादन स्तर के आधार पर एक अनिवार्य कोटा तय किया है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ÷अभी, उत्पादन से सम्बद्ध सब्सिडी देने की कोई तत्काल योजना नहीं बनाई है जो हमने कुछ साल पहले दी थी। हमने दो योजनाओं की घोषणा की है ताकि चीनी मिलों को अपने अतिरिक्त चीनी के स्टॉक का निर्यात करने में मदद मिले और इससे स्थिति में सुधार हो सके।÷ भारत का चीनी उत्पादन विपणन वर्ष 2016-17 के 2.03 करोड़ टन से काफी बढ़कर चालू विपणन वर्ष में 2.95 करोड़ टन हो जाने का अनुमान है।

अधिकारी ने कहा कि चीनी की मौजूदा वैश्विक दर पर चीनी मिलों को 5-7 रुपए प्रति किग्रा का नुकसान होगा जिसकी भरपाई घरेलू बाजार में शेष स्टॉक को बेहतर दर पर बेचकर की जा सकती है। इसके अलावा, चीनी मिलें अगले 2 वर्षों के लिए शुल्क मुक्त आयात अधिकरण (डीएफआईए) योजना के तहत शून्य आयात शुल्क का लाभ ले सकती हैं।

बिक सकता है एक्सिस बैंक

नई दिल्ली। देश के तीसरे सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। पहले तो रिजर्व बैंक के सवाल उठाने के बाद एक्सिस बैंक की सीईओ शिखा शर्मा का कार्यकाल घटाकर 7 महीने कर दिया गया। वहीं, दूसरी और बैंक के बिकने की खबरें भी तेज हो गई हैं। हालांकि, इसका जिक्र एक रिपोर्ट में किया गया है। जापान की ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है कि एशिया के अमीर बैंकर उदय कोटक के लिए बैंक को खरीदने का शानदार मौका बना है क्योंकि शिखा 9 महीने तक ही इसकी सीईओ रहेंगी। उदय कोटक प्राइवेट बैंक कोटक महिंद्रा बैंक के प्रमुख हैं। अगर दोनों का मर्जर होता है तो उसके बाद बनने वाले बैंक के पास 5,760 ब्रांच होंगी। इतनी ब्रांच देश के किसी प्राइवेट सेक्टर बैंक के पास नहीं है। आईसीआईसीआई बैंक के पास 4,860 ब्रांच हैं।

पीएफ मैनेजमेंट में गड़बड़ी का अंदेशा, 433 कंपनियों का ऑडिट

नई दिल्ली । एंप्लॉयीज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) ने 433 कंपनियों की जांच शुरू कर दी है जिन पर पीएफ मैनेजमेंट में गड़बड़ियों की आशंका है। श्वक्कस्न्ह्र ने अपने फील्ड ऑफिसों से इन 433 कंपनियों का तुरंत ऑडिट कर इनकी वित्तीय हालत पता लगाने का निर्देश दिया है। लाइवमिंट की एक खबर के मुताबिक, इन कंपनियों पर अपने एंप्लॉयीज के प्रविडेंट फंड मैनेजमेंट में डिफॉल्ट का अंदेशा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, 'पीएफ अनुपालन को लेकर कंपनियों को ट्रैक करने वाले ईपीएफओ के विभाग ने यह पाया कि अपने खुद के प्रविडेंट फंड ट्रस्ट्स चलाने वाली इन 433 कंपनियों ने अपने एंप्लॉयीज के फरवरी 2018 के पीएफ रिटर्न्स फाइल नहीं किए हैं।' ईपीएफओ ने अपने फील्ड ऑफिसों में भी ऐसा ही आंतरिक सर्कुलर जारी किया है। अपने पीएफ ट्रस्ट्स चला छूट पाने वाली कुल कंपनियों का यह 15 प्रतिशत है। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'पीएफ नियमों के पालन के मामले में कम से कम 675 कंपनियों ने 600 पॉइंट स्केल पर 300 पॉइंट्स ही स्कोर किए हैं। इन 675 में से कम से कम 433 कंपनियों ने फरवरी के पीएफ रिटर्न्स फाइल नहीं किए हैं जिस कारण ये जांच के घेरे में हैं।' केंद्रीय पीएफ कमिश्नर वीपी जॉय द्वारा जारी सर्कुलर में सभी फील्ड ऑफिसों से इन कंपनियों का पीएफ अनुपालन को लेकर ऑडिट करने का निर्देश दिया गया है। पीएफ कमिश्नर ने अपने अधिकारियों को छूट पाने वाले इन ट्रस्ट्स पर कड़ा ऐक्शन लेने का निर्देश दिया है। ईपीएफओअधिकारी इन कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सकते हैं या फिर उनको मिलने वाली छूट छीन सकते हैं। अगर कोई कंपनी एक बार यह टैग खो देती है तो उसे हर महीने की 15 तारीख से पहले अपने एंप्लॉयीज के पीएफ डिडेक्शंस ईपीएफओ बताने होते हैं। साथ ही कंपनी पीएफ निवेश और उससे पर मिलने वाला ब्याज का कोई अधिकार नहीं रह जाता।